Under CSR Support by Ipca Foundation missiongyan

Chapter – 6 | गिरिधर कविराय की कुंडलियाँ

QUIZ-01

1. **कविता "गिरधर कविराय की कुंडलिया" में क्या संदेश दिया गया है?**
A. मनुष्य को केवल वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।
B. बीती बातों को भूलकर भविष्य के बारे में सोचना चाहिए।
C. हमेशा अतीत को याद रखना चाहिए।
D. भविष्य के बारे में चिंता करना चाहिए। (B)

व्याख्या : कविता में बीती बातों को भूलकर भविष्य पर ध्यान देने का संदेश दिया गया है। यह जीवन में आगे बढ़ने की दिशा दिखाता है।

2. **कविता में "जो बिना विचार किए कार्य करता है, वह पछताता है" का क्या अर्थ है?**
A. सोच-समझ कर कार्य करने से कोई परेशानी नहीं होती।
B. बिना सोचे-समझे किए गए कार्य का परिणाम हमेशा अच्छा होता है।
C. बिना विचार के कार्य करने से मन में हमेशा खलल रहता है।
D. बिना विचार के कार्य करने से सफलता मिलती है। (C)

व्याख्या : बिना विचार किए कार्य करने से हमेशा मन में खलल और पछतावा होता है, क्योंकि कार्य का परिणाम अच्छा नहीं होता।

3. **"बीती ताहि बिसार दे आगे की सुध लेइ" का क्या संदेश है?**
A. हमें अतीत की गलतियों को याद रखकर आगे बढ़ना चाहिए।
B. अतीत की गलतियों से सीखकर हमें भविष्य की दिशा पर ध्यान देना चाहिए।
C. अतीत को हमेशा याद रखकर वर्तमान में जीना चाहिए।
D. अतीत को भुला कर केवल वर्तमान पर ध्यान देना चाहिए। (B)

व्याख्या : यह पंक्ति अतीत से सीखकर भविष्य में बेहतर कार्य करने की दिशा में प्रेरित करती है।

4. **कविता में "खान-पान, सम्मान और राग-रंग मनिह न भावै" का क्या अर्थ है?**
A. अच्छा खानपान और सम्मान जीवन में सुख लाते हैं।
B. राग-रंग से जीवन में सुख और शांति मिलती है।
C. केवल खानपान और सम्मान से जीवन में खुशी मिलती है।
D. इन सभी चीजों से मन में संतोष नहीं होता है। (D)

व्याख्या : कविता में खानपान, सम्मान और राग-रंग के बावजूद मन में संतोष और शांति का अनुभव नहीं होता है।

5. **"जग में होत हँसाय" का क्या अर्थ है?**
A. हंसी का महत्व जीवन में कम है।
B. हंसी मनुष्य के दुखों का समाधान है।
C. हंसी को गंभीरता से लिया जाना चाहिए।
D. हंसी से जीवन में कोई फर्क नहीं पड़ता। (B)

व्याख्या : कविता में हंसी को जीवन में दुखों का समाधान बताया गया है, जिससे मनुष्य की परेशानियों को कम किया जा सकता है।

6. **कविता में किसने कहा है कि संसार में हंसी सबसे महत्त्वपूर्ण है?**
A. गिरधर कविराय
B. लेखक
C. बच्चे
D. राजा (A)

व्याख्या : यह वाक्य गिरधर कविराय का है, जो हंसी को संसार का सबसे महत्त्वपूर्ण और अद्भुत तत्व मानते हैं।

7. **कविता में गिरधर कविराय का क्या वर्णन किया गया है?**
A. वे बहुत बड़े राजा थे।
B. वे एक संत कवि थे।
C. वे एक लड़ाई के नायक थे।
D. वे एक समाज सुधारक थे। (B)

व्याख्या : गिरधर कविराय को कविता में एक संत कवि के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जिन्होंने अपनी कविताओं से जीवन को सरल और खुशहाल बनाने का संदेश दिया।

8. **"साहस और आत्मविश्वास से जीने की कला" कविता में किसे प्रेरित किया गया है?**
A. बच्चे
B. युवा पीढ़ी
C. बुजुर्गों को
D. समस्त मानवता को (D)

व्याख्या : इस कविता में समस्त मानवता को साहस और आत्मविश्वास से जीने की प्रेरणा दी गई है।

9. **कविता में 'राजा' और 'प्रजा' के संबंध में क्या बताया गया है?**
A. दोनों के बीच कोई संबंध नहीं होता।
B. राजा को प्रजा की चिंता नहीं होती।
C. राजा और प्रजा के बीच सहयोग और समझ का होना चाहिए।
D. प्रजा हमेशा राजा के आदेशों का पालन करती है। (C)

व्याख्या : कविता में यह बताया गया है कि राजा और प्रजा के बीच सहयोग और समझ होनी चाहिए ताकि समाज में शांति और समृद्धि बनी रहे।

10. **कविता में 'मौन' को किस रूप में प्रस्तुत किया गया है?**
A. दुख का प्रतीक
B. आत्ममंथन का माध्यम
C. शांति का स्रोत
D. बुराई का प्रतीक (C)

व्याख्या : कविता में मौन को शांति का स्रोत के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जो हमें विचार करने और आत्ममंथन करने में मदद करता है।

मिशन ज्ञान जब चाहे, जहाँ चाहें, जैसे चाहें! 100% FREE! Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES Download Mission Gyan App